# चार धाम यात्रा

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में **यमुनोत्री** में भारी भीड़ तथा **केदारनाथ और बद्रीनाथ** मार्गों पर लंबी यातायात अवरोधों के चिंताजनक दृश्यों ने सरकार को चार धाम यात्रा के लिये अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक समाधानों को प्राथमिकता देने को मजबूर किया है।

## मुख्य बिंदु:

- उत्तराखंड में [चार धाम यात्रा]() में चार मंदिरों, **बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री** के दर्शन शामिल हैं।
- चार धाम यात्रा का हिंदू धर्म में गहरा आध्यात्मिक महत्त्व है। यह यात्रा सामान्यतः **अप्रैल/मई से अक्तूबर/नवंबर** तक होती है।
- राज्य द्वारा एक **"धार्मिक यात्रा प्राधिकरण"** बनाने की योजना बना रहा है जो न केवल **चार धाम यात्रा** बल्कि **काँवर यात्रा** जैसी अन्य तीर्थयात्राओं को भी नियंत्रित किया जाएगा।
- प्राधिकरण सभी मुद्दों पर निर्णय लेगा, जैसे- **दैनिक तीर्थयात्रियों की संख्या, मार्ग, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा तैनाती** और अन्य सभी व्यवस्थाएँ तय करना।
- उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश की भाँति ही धार्मिक आयोजनों के लिये नियामक संस्था को अपनाने पर विचार कर रहा है और कार्यान्वयन से पहले यह उत्तर प्रदेश के मॉडल का अध्ययन करेगा।

## चार धाम यात्रा

- **यमुनोत्री धाम:**
    - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
    - **समर्पित:** देवी यमुना।
    - गंगा नदी के बाद यमुना नदी भारत की दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
    - **स्थान:** उत्तरकाशी ज़िला।
    - **समर्पित:** देवी गंगा।
    - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- **केदारनाथ धाम:**
    - **स्थान:** रुद्रप्रयाग ज़िला।
    - **समर्पित: भगवान शिव**।
    - **मंदाकिनी नदी** के तट पर स्थित है।
    - भारत में **12 ज्योतिर्लिंगों** (भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
    - **स्थान:** चमोली ज़िला।
    - **पवित्र बद्रीनारायण मंदिर** का स्थान।
    - **समर्पित:** भगवान विष्णु।
    - **वैष्णवों** के पवित्र तीर्थस्थलों में से एक